अधिकारों की माँग
अवसरों का सृजन

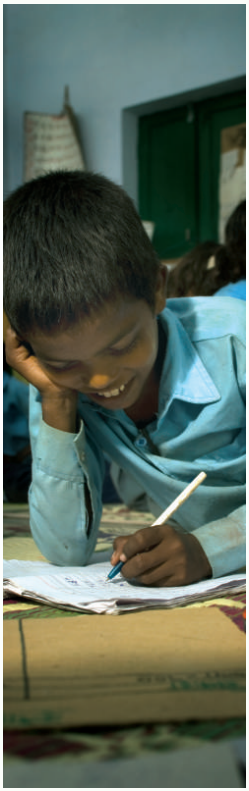

ऑक्सफैम इंडिया रणनीति 2010 - 2015

ऑक्सफैम इंडिया
Oxfam
India

ऑक्सफैम इंडिया एक नवनिर्मित भारतीय गैर सरकारी संगठन है जिसके अंतर्गत पिछले 60 वर्ष से भारत में कार्यरत ऑक्सफैम के छः संम्बद्ध संगठनों के काम-काज का एकीकरण किया गया है। भारतीय कर्मचारियों और भारतीय बोर्ड से युक्त ऑक्सफैम इंडिया एक सितंबर, 2008 को अस्तित्व में आया।

ऑक्सफैम इंडिया, ऑक्सफैम इण्टरनेशनल का सदस्य है। ऑक्सफैम इण्टरनेशनल 14 ऑक्सफैम संगठनों (आस्ट्रेलिया,बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी,ग्रेट ब्रिटेन, हांगकांग, आयरलैंड, मैक्सिको, न्यूज़ीलैण्ड, नीदरलैण्ड, क्यूबेक, स्पेन और यूएस) का वैश्विक संघ है। फिलहाल तीन नए ऑक्सफैम संगठन स्थापित हो रहे हैं जिनमें भारत, जापान और इटली के ऑक्सफैम शामिल हैं।

सभी ऑक्सफैम संगठन अधिकार–आधारित संगठन हैं जो गरीबी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने के लिए जमीनी स्तर पर (भागीदार गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से) कार्यक्रमों को स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक नीति–निर्माण व प्रचार कार्यक्रमों से जोड़ते हैं। ऑक्सफैम का सारा काम हमारे पांच अधिकार–आधारित लक्ष्यों के ढांचे के अनुरूप तय होता है–स्थायी आजीविका का अधिकार, आधारभूत सामाजिक सेवाओं का अधिकार, जीवन व सुरक्षा का अधिकार, सुने जाने का अधिकार तथा समानता : लिंग व विविधता का अधिकार।

ऑक्सफैम इंडिया का लक्ष्य है मौजूदा स्थितियों से कहीं अधिक समतापूर्ण, न्यायपूर्ण और चिरस्थायी विश्व की स्थापना करना। ऑक्सफैम इंडिया चाहता है, "जीवन का अधिकार सभी को पूरे सम्मान के साथ मिले।" इस स्वप्न को साकार करने के लिए ऑक्सफैम इंडिया ग़रीबों और हाशिए पर खड़े लोगों का सशक्तीकरण करेगा ताकि वे अपने अधिकारों की मांग कर सकें, जो ग़रीब नहीं हैं उन्हें अपने साथ सक्रिय व सहयोगी नागरिकों के रूप में जोड़ेगा, राज्य को जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए पैरवी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि बाज़ार ग़रीब और हाशिए पर खड़े लोगों के हक में काम करें।

विश्व बैंक के अनुसार भारत अब अमेरिका, चीन व जापान के बाद तीसरी* सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (क्रय शक्ति समानता के आधार पर) बन चुका है और चीन के बाद वह दूसरी

*स्रोत : वर्ल्ड डवेलपमैंट रिपोर्ट, वर्ल्ड बैंक, 2009

अर्थव्यवस्था है जहाँ पिछले पाँच सालों में लगातार सालाना 6 से 9 प्रतिशत के बीच विकास दर दर्ज की गई है।

लेकिन विश्व बैंक के 1.25 डॉलर प्रतिदिन के मानकों को माना जाए तो भी भारत में इस समय 45.6 करोड़ लोग अर्थात लगभग 42 प्रतिशत जनता गरीबी रेखा के नीचे है। ध्यान देने की बात यह है कि दुनिया में हर तीसरा गरीब भारतीय है; दुनिया में हर तीसरा निरक्षर भी भारतीय है और भारत में लगभग पचास प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। माताओं की मृत्यु के मामले में भी भारत की स्थिति काफी खराब है (कई भारतीय राज्यों में उप–सहारा अफ्रीकी देशों से भी बुरी स्थितियाँ हैं।)

ऑक्सफैम इंडिया की नई रणनीति के मूल में है, दो भारत–विकसित और अविकसित–के बीच बढ़ते अंतर, और भारत जिस राह पर चल रहा है उसमें समेकित विकास की गैरमौजूदगी, पर गहरी चिंता।

हमारे विश्लेषण के अनुसार विभिन्न आर्थिक व सामाजिक संकेतकों की कसौटी पर चार जन समूह ऐसे हैं जो बहुत पिछड़े हुए हैं और हम विकसित तथा अविकसित के बीच के इस अंतर को कम करने का प्रयास करेंगे।

महिला और पुरूष
दलित और गैर–दलित
जनजातीय और गैर–जनजातीय
मुस्लिम और गैर–मुस्लिम

ग़रीबी के सभी संकेतकों की कसौटी पर सबसे ज्यादा पिछड़े समुदाय हैं–दलित, जनजातीय और मुस्लिम। एक ओर दलितों में मध्यमवर्गीय बुद्धिजीवियों के वर्ग के उदय के साथ अपने अधिकारों को प्राप्त करने के प्रति ज्यादा सक्रियता नज़र आती है लेकिन दूसरी ओर मुस्लिम व जनजातीय समूहों में यह प्रवृत्ति उतनी प्रबल नहीं है; और नीति–निर्माण के माहौल में परिवर्तन तथा प्रगतिवादी कानूनों को बनाने के बावजूद भारतीय महिलाएं घरों के भीतर और बाहर सभी मोर्चों पर भेदभाव का शिकार हो रही हैं।

ऑक्सफैम इंडिया इन चार महत्वपूर्ण विषयों व कार्यक्षेत्रों को जोड़ने में आदर्श भूमिका निभाना चाहता है -
आर्थिक न्याय,
आवश्यक सेवाएं,
लैंगिक न्याय,
मानवीय प्रतिक्रिया व आपदा सम्बंधी खतरों में कमी। ऑक्सफैम का दूरगामी लक्ष्य इन तत्वों को एक समग्र कार्यक्रम संरचना में शामिल कर जीवन को सम्माननीय बनाना है।

आर्थिक न्याय

पहले से कहीं अधिक संख्या में पुरूषों और महिलाओं को सुरक्षित व चिरस्थायी आजीविका का अधिकार मिलेगा।

आवश्यक सेवाएं

ग़रीबी में जीवन बिता रहे लोगों, विशेषकर महिलाओं और लड़कियों को सुगम व कम खर्च पर स्वास्थ्य, शिक्षा व सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने का अधिकार मिलेगा।

लैंगिक न्याय

सभी समुदायों की महिलाओं को अपनी इच्छानुसार तथा बिना हिंसा के जीवन जीने की शक्ति मिलेगी।

मानवीय प्रतिकिया व आपदा संबंधी खतरों में कमी

सभी महिलाओं और पुरूषों को मानवीय संकट के समय सुरक्षा और आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाएगी, बिना इस बात से प्रभावित हुए कि वे कौन हैं, कहाँ हैं अथवा संकट से कैसे प्रभावित हुए हैं। इस प्रक्रिया में उनके मानवीय अधिकारों का सम्मान और रक्षा की जाएगी।

ऑक्सफैम इंडिया अपने कार्यक्रमों को ज़्यादा से ज़्यादा प्रभावी बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण विषयों व भौगोलिक क्षेत्रों पर केन्द्रित करेगा। यह उन सात राज्यों–असम, बिहार, उड़ीसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड – में काम करने पर ध्यान देगा जहां गरीबी की दर औसत गरीबी दर से अधिक है और जो उदारीकरण के बाद के दौर में पिछड़ गए हैं तथा जहाँ रणनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

चूंकि इन क्षेत्रों में दो तिहाई गरीब रहते हैं इसलिए ऑक्सफैम इंडिया अपने संसाधनों के दो तिहाई हिस्से का उपयोग इन क्षेत्रों में करेगा। संसाधनों के बाकी बचे एक तिहाई हिस्से का उपयोग भारत के अन्य क्षेत्रों में विशेष मुद्दों पर काम करने के लिए किया जाएगा। कुछ शहरी क्षेत्रों में बढ़ती गरीबी के मद्देनज़र, वह अपने कार्यक्रमों में एक अलग शहरी घटक भी रखेगा ताकि खास शहरी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर काम किया जा सके।

ऑक्सफैम इंडिया ने अपने काम के संदर्भ में कुछ आपस में जुड़े परिपेक्ष्यों की भी पहचान की है। भारत की युवा जनसंख्या के मद्देनज़र, हम युवाओं को सक्रिय नागरिक के रूप में विकसित करने के लिए काम करेंगे।

ऑक्सफैम इंडिया अपने कर्मचारियों, भागीदारों और समुदायों की क्षमता निर्माण पर भी अपने प्रयास केन्द्रित करेगा। इन प्रयासों के तहत लोगों को उनके स्वयं के परिपेक्ष्यों, पूर्वाग्रहों से अवगत करवा कर दूसरों को समझने के लिए अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस प्रकार भेदभाव को समझने की क्षमता विकसित कर उसे दूर करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। ऑक्सफैम इंडिया अपने भागीदारों में साम्प्रदायिक टकराव से निपटने तथा शान्ति बहाल करने की क्षमता विकसित करने की दिशा में काम करेगा। विशेष रूप से जम्मू एवं कश्मीर तथा उत्तर–पूर्व में शान्ति स्थापित करने से जुड़े विशेष मुद्दों पर मदद उपलब्ध करवाने के लिए भी ऑक्सफैम इंडिया काम करेगा।

भविष्य में जिन अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर हम काम करेंगे उनमें से एक है गरीबी कम करने के लिए निजी क्षेत्र की भूमिका को प्रभावित करना। इसके साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया में व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी नीतियों व कार्यक्रमों को प्रभावित करने में भारत की भूमिका के विभिन्न पक्षों की पड़ताल की जाएगी जिससे क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर गरीबी उन्मूलन सम्भव हो सके।

नई सोच

ऑक्सफैम इंडिया का प्रयास रहेगा कि वह आने वाले समय में, वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने तथा निरीक्षण करने वाली एजेंसी के मौजूदा स्वरूप, को परिवर्तित कर भारतीय नागरिक समाज के सक्रिय सदस्य की भूमिका निभाते हुए अधिकार आधारित पैरवी करने वाले संगठन का स्वरूप स्थापित करे। इसके द्वारा की जाने वाली पैरवी का स्वरूप जमीनी स्तर पर इसकी मदद से चल रहे काम के स्वरूप से तय होगा। यह समझने के लिए कि क्या उपयोगी है और क्या अनुपयोगी, ऑक्सफैम इंडिया कुछ प्रमुख व्यवस्थाओं को स्थापित करने तथा समुदाय आधारित निरीक्षण प्रणालियां विकसित करने की दिशा में काम करेगा। इससे कार्यक्रमों की गुणवत्ता और परिणामों में वृद्धि होगी और कार्यक्रम आधारित हस्तक्षेप के प्रयासों में अधिकार आधारित सिद्धांत का पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

नए संबंध

ऑक्सफैम इंडिया की नई भागीदारी नीति के तहत विकास के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय गैर–सरकारी संगठनों, अकादमिक संस्थानों, शोध संगठनों, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पैरवी करने वाले गैर सरकारी संगठनों आदि को वित्तीय सहायता व गैर वित्तीय सहायता के आधार पर भागीदार बनाने का लक्ष्य है। वित्तीय सहायता के आधार पर भागीदार तय करने में भागीदार के आकार की विविधता (अत्यंत लघु, लघु, मध्यम और विशाल) का ध्यान रखा जाएगा पर हर श्रेणी के लिए एक सीमा भी तय की जाएगी; भागीदारों के साथ दीर्घकालिक सम्बंध स्थापित किए जाएंगे और हर भागीदारी को अधिकतम 10–12 वर्ष तक (दो रणनीति समयकालों में) वित्तीय सहायता दी जाएगी और जहां भी सम्भव होगा वहां परियोजना आधारित वित्तीय सहायता के बजाए मूलभूत सहायता (कोर फण्डिंग) पर जोर दिया जाएगा।

नई पहल

इस समय ऑक्सफैम इंडिया वित्तीय संसाधन जुटाने के अपने प्रयासों का स्तर और दायरा विभिन्न शहरों में बढ़ा रहा है। इन प्रयासों का लक्ष्य समर्थकों के आधार को व्यापक करना और भारत में विकास सम्बंधी चुनौतियों का सामना करने में मध्यम और समृद्ध वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित कर सक्रिय नागरिकता का निर्माण करना है। नई दिल्ली और बंगलौर में संगठन के भीतर वित्तीय संसाधन जुटाने का प्रयोग सफल रहा है और अगले छः महीनों में हम वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए छः नए कार्यालय खोलेंगे। विभिन्न शहरों में कई स्तरों पर चल रही मौजूदा गतिविधियों को जारी रखते हुए ये नए कार्यालय मुम्बई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, चंडीगढ़ और नोएडा में खोले जाएंगे। अगले पाँच सालों में हम वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए कई नई तकनीकों का भी परीक्षण करेंगे जिनमें इंटरनेट और वेब, प्रत्यक्ष पत्राचार, ट्रेलवॉकर, विशेष आयोजन, टेली–फेसिंग और प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया टेलीविज़न शामिल हैं जिनका अब तक हमारे द्वारा प्रयोग नहीं किया गया था। ब्राण्ड के बारे में जागरूकता और दानदाताओं के साथ लगातार संप्रेषण अधिक संख्या में लोगों से जुड़ने के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम ऑक्सफैम इंडिया का नाम भारत के घर–घर में पहुंचाने के लिए इन सभी पक्षों पर आने वाले वर्षों में काम करेंगे।

भविष्य की नई योजनाएं

इस रणनीति का लक्ष्य यह स्पष्ट करना है कि कुल मिलाकर ऑक्सफैम इंडिया आने वाले सालों में क्या करना चाहता है जिससे कि वह उभरते भारतीय संदर्भों में ज्यादा प्रासंगिक होने के साथ ही स्थितियों में ज्यादा व्यापक और बेहतर बदलाव ला पाए। जिन कार्यक्रम क्षेत्रों में भी हम काम करेंगे, उनके लिए हम एक विस्तृत रणनीतिक विकसित कर रहे हैं जो संदर्भों, काम करने के अवसरों तथा हमारे अपेक्षित परिणामों को रेखांकित करेगी। एक बार कार्यक्रमों का निर्धारण हो जाने के बाद, उन भागीदारों की पहचान की जाएगी जो ऑक्सफैम इंडिया के साथ काम करते हुए कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इन भागीदारों की पहचान कर उन्हें मदद उपलब्ध करवाई जाएगी। लेकिन हमें इस बात का अहसास है कि (कार्यक्रमों के अनुरूप) हमारी रणनीति का क्रियान्वयन चरणबद्ध ढंग से करना होगा। इस काम में दो से तीन साल लगेंगे ताकि हमारे भागीदारों को कोई परेशानी न हो और कार्यक्रमों में भी कोई व्यवधान न पड़े।

ऑक्सफैम इंडिया की नई भागीदारी नीति के तहत विकास के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय गैर-सरकारी संगठनों, अकादमिक संस्थानों, शोध संगठनों, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पैरवी करने वाले गैर सरकारी संगठनों आदि को वित्तीय सहायता व गैर वित्तीय सहायता के आधार पर भागीदार बनाने का लक्ष्य है।

Design and Content Editing: THOT, www.thot.in

Photo Courtesy: Ranjan Rahi, Anubhav Das, Dhiraj Kumar, Pratham, Sam Spickett, Vinay, Manisha Sharma, Nidhi Bhardwaj, Oxfam India

ऑक्सफैम इंडिया
Oxfam
India

ऑक्सफैम इंडियाः दूसरी मंजिल, कम्युनिटी सेंटर, न्यू फ्रैण्ड्स कॉलोनी, नई दिल्ली 110065, इंडिया
फोन: +91 (0) 11 4653 8000, फैक्स: +91 (0) 11 4653 8099, ईमेल: delhi@oxfamindia.org, वैबसाईट: www.oxfamindia.org